

809

802 5000Rs.



28.7.2010

अधिकारी का नाम लकड़ा जीपता स्व० फ्रांसिस लकड़ा
जाति- उराँव, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम- गोतरा
ठांचाटोली, धाना- मिमहेगा, जिला- सिमहेगा ।
प्रमाणन्दान संख्या 46-D-PRD के अधीन
प्रमाणन्दान संख्या 1899 की अनुरूप
वा 1 क संख्या 23 I A. With the permission
इधिन याचन स्वाक्षर
द्वारा (या अधिक संस्करण में किए गए)
द्वारा नुहक पर्याप्त नहीं ।
Case No. 79 / 2010-11
अधिकारी का नुहक पर्याप्त नहीं ।
order dated
28.7.10
16.7.2010

M/S
28.7.10

श्री लेखकारी:- श्री जोन लकड़ा जीपता स्व० फ्रांसिस लकड़ा
जाति- उराँव, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम- गोतरा
ठांचाटोली, धाना- मिमहेगा, जिला- सिमहेगा ।

..... बिक्रेता ।

प्राप्ति-पत्र संख्या:- 552 / 2010

मुद्रित संख्या

प्राप्ति-पत्र संख्या, 21/21 - 21/21
प्राप्ति-पत्र संख्या, 25/25 - 25/25
28/7/2010

1000 Rs.



--2--

१२। लेख्यधारिणी:- श्रीमती अमासी लकड़ा पति श्री हीरालाल
लकड़ा, जाति- उराँव, पेशा- गृहिणी, निवास ग्राम- सिमडेगा
बाजारटोली, धाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा।

... भारतीय नागरिक ... क्रेतका।

शपथ-पत्र संख्या:- ५५३ | २०१० ——————

१३। लेख्यप्रकाश:- विक्रय पत्र केवाला वैला कलामी पुत्र पुत्राइक
सदा सर्वका के लिए डिगेता है।

१४। मूल्य:- मर्बिलिं दो लाख इकतीस हजार रुपये अंके २,३१,०००/-
रुपये होता है।

१५। सम्पत्ति:- सराजियात अन्दर मौजा- गोतरा टांचठाटोली,
धाना- सिमडेगा, धाना नं० ८०, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो
जिला- सिमडेगा के छाता नं० १५८ इक सौ अनठावनू फ्लॉट
नं० १६८४ मोल्ह सौ घोरासी० रकबा ०.८० एकड़ में से
०.१० एकड़ इस डिमिलू यह जमीन व्यक्ताधिक नहीं है

पूर्णतः आवासीय है जिसपर किसी प्रकार का मकान या
निर्माण नहीं है।

जिसकी घोड़इङी:-

उत्तर:- टांड़ इसी फ्लॉट का अंग नीज बिक्रेता,

दक्षिण:- टांड़ इसी फ्लॉट का अंग इग्नेस छिड़िया,

१५८१ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१५८२ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१५८३ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१५८४ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१५८५ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१५८६ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१५८७ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१५८८ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१५८९ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१५९० - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१५९१ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१५९२ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१५९३ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१५९४ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१५९५ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१५९६ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१५९७ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१५९८ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१५९९ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१६०० - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१६०१ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१६०२ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१६०३ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१६०४ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१६०५ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१६०६ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१६०७ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१६०८ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१६०९ - अन्दर दो दोषों का दर्शन
१६१० - अन्दर दो दोषों का दर्शन

१५८/७/१०



—3—

पूरब :- टाड़ निकूम उराँच,

पश्चिम:- पक्की मङ्कु।

मालगुजारी ५ पैसा ४ पाँच पैसां १ अलावे सेस सलाना।

३०८-७-०१०

॥१॥ युँकि मुझ लेख्यकारी को बीमारी को इलाज कराने एवं
अन्य दीगर जरेलू खर्च के लिए रुपयों की ज़रूरत पड़ी जिसकी
व्यवस्था जमीन बेचे वगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेख्यधारिणी
से मेरी जमीन छारीदने की प्रार्थना की। जिसे उन्होंने छारीदना एवं
रुपये देना स्वीकार किया।

॥२॥ इसीलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्था में
रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्षित जमीन को उक्त लेख्यधारिणी
के हाथ नगद कोमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल
हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारिणी वो उनके उत्तराधिकारियों
के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया। अब से बेची
गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी
उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और
न आइन्दा रहेगा।

॥३॥ मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि विकृति वर्षित जमीन छीतियानी है।
छीतियान में मेरे परदादा बंधु उराँच वगैरह के नाम से नाप दर्ज है।
मालगुजारी रमीइ फ्रांसिस लकड़ा वगैर के नाम से कटता है। मेरे
दादा एवं पिताजी की मृत्यु हो चुकी है। उनकी मृत्यु के बाद



--4--

जमीन का आपसी मौखिक भैयादी बैंटवारा हो चुका है। जो जमीन मैं बेच रहा हूँ मेरे निज हिस्से की जमीन है जिसपर मेरा निर्विवाद ढक फ़लत वो कब्जा है और किसी प्रकार का वाद या झगड़ा छांझट नहीं है।

४४१ चुंकि हम उभ्य पक्षों आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य हैं अतः जमीन खरीद बिक्री देते अनुमति के लिए श्रीमान् अनुमण्डल पक्षाधिकारी, सिमडेगा के न्यायालय में ऑटानागपुर कास्तकारी अधिनियम की धारा ५६ के तहत आवेदन दिया। जिसका वाद संख्या ७९/२०१०-११ है जिसकी स्वीकृति दिनांक १६.७.२०१० को प्राप्त हुई एवं जिसका मेमो नं ६५३४०००० दिनांक १६.७.२०१० है।

४५१ अब चाहिए कि लेख्यधारिणी अपनी जमीन पर काविज वो फ़लकार होकर अपना जैसा फायदा का समझे अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल छारिज कराकर तारीख लेख्य से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें।

४६१ इसलिए यह विक्री पत्र केवाला वैला कलामी सदा दिन के लिए लिखा दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जल्दत पर काम आवे।

1000Rs.



—5—

मैं लेखकारी यह घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन वो
बपत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है।

जाम लाल
२४-७-०१०

०५६७-०१०
८८८८
१५



मैं लेखकारी यह घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन वो
बपत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है।
२४-७-०१०

Dakeel Mumtaz
Jew.
28-7-10

100Pa



-6-

मैं लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिरिलग के अन्तर्गत नहीं आता है।

સદ્ગી પૂર્વિકુલી જામાલી લલાં

०१ विवरणी ग्रन्थि

28.7.10



Anasita

After feces
Succinum
28-7-10

A horizontal row of five dark, textured fingerprint impressions. Each impression shows a unique pattern of ridges and valleys, characteristic of a human fingerprint. The prints are arranged side-by-side against a light-colored, possibly white, background.

1868-1870

16. 10. 1901 - 17. 10. 1901
In der Gegend von
Königsberg sind die
Bäume sehr klein und
die Blätter sind sehr
klein und dicht.

Lancee Ahmud
Sdr.
28.7.10



--7--

उभ्य पक्षों के कहे अनुमार इस प्रेक्ष्य पत्र दस्तावेज का
प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाडो के समक्ष पढ़कर सुना
वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया।

सही/- *Zakee Ahmed*

Achir.
28.7.10

प्रारूपकर्ता

तारीख:-

१००
८७६५
८५४३
१००

100Rs.



--8--

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्ष्य पत्र दस्तावेज के
कुल आठ पृष्ठों में कुल 596 शब्द टॉकित हैं जो खण्डन रद्दित
वा नक्सा सहित हैं।

टॉकित
मानविकी
मुख्य-१०१०
मार्ग मक्कुद
कच्छरी परिसर,
सिमडेगा।

१०१०
८८८
६६६
५५५